शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
nbt.india

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 4 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...
थीम
गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव
1950-2025

मंगलवार, 04 फरवरी, 2025

आगंतुकों को अपने समृद्ध साहित्य से रू-ब-रू कराता फोकस देश रूस

रूस का भारत के साथ संबंध बहुत पुराना है। भारत की स्वतंत्रता के बाद से यह संबंध उत्तरोत्तर गहरा होता चला गया है। सोवियत संघ के विघटन के बाद भी दोनों देशों का यह संबंध पहले जैसा ही रहा है। दोनों देशों की समग्र आर्थिक नीतियों के कारण यह राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध और भी मजबूत हुआ है।

दिल्ली के भारत मंडपम परिसर में चल रहे 32वें विश्व पुस्तक मेले में पूर्वी यूरोप और उत्तर एशिया का दुनिया का सबसे बड़ा यह देश रूस फोकस देश के रूप में भाग ले रहा है। हॉल सं. 4 में स्थित रूस के मंडप में वहाँ की लगभग 1000 किताबें प्रदर्शित की गई हैं, जो मंडप के विभिन्न शेल्फों में सजी हैं।

मंडप में नौ शेल्फ हैं, जिनमें आधुनिक साहित्य के दो, कथेतर साहित्य का एक, क्लासिक साहित्य के दो, बाल साहित्य के दो और रूस के संग्रहालय का एक शेल्फ है। प्रत्येक शेल्फ में अलग-अलग विषयों की किताबें सजी हैं। इसके अतिरिक्त रिसेप्शन काउंटर पर भी किताबें सजी हैं।

'आधुनिक साहित्य' के शेल्फ की सभी किताबें रूसी भाषा में हैं, जिनमें डेनिस लुक्यानोव, सेंचिन जैसे लेखकों की किताबें मुख्य हैं।

क्लासिक साहित्य के शेल्फ में यूलियन सेमेनोव, त्वैकोव्सकी, ऐलेना लेबेडेवा, स्टानिस्लाव जुकोवस्की, मिखाइल साल्टीकोन-शेड्रिन, काफर्टोव्सकाया, मिखाइल बुल्गाकोव आदि जैसे लेखकों की किताबें हैं। शेल्फ की सभी किताबें रूसी भाषा में हैं।

'रूस की यात्रा' का शेल्फ शिक्षा की किताबों से भरा है, जिनमें रूसी व्याकरण, स्कूल से जुड़ी किताबें, लघु फिल्मों की रूसी भाषा में कार्यपुस्तिका, वर्तनी और विराम चिह्न आदि विभिन्न विषयों की किताबें हैं।

'बाल साहित्य' के सेल्फ में सर्गेई अक्साकोव, ए.एस. पुश्किन, लारिसा बास्का आदि की चित्रों से सजी किताबें मुख्य हैं। इनके अतिरिक्त, इनमें परीकथाओं की किताबें भी हैं।

रूसी मंडप पर लगी विविधवर्णी पुस्तकों को देखकर अंतर्मन से आवाज आती है—सीखने का कोई अंत नहीं है। सीखने में आनंद है—यह भी यहाँ पहुँचकर गहराई से अनुभूत होता है।

मंडप के रिसेप्शन काउंटर पर रूस के प्रसिद्ध लेखकों की विभिन्न भाषाओं में अनूदित किताबें हैं, जिनमें नोबेल पुरस्कार विजेता मिखाइल शोलोखोव की 'द फेट ऑफ ए मैन', मैक्सिम गोर्की की 'पीले दैत्य का नगर', ओसिप मंदिलश्ताक की 'सूखे होंठों की प्यास' (कविता संग्रह), ई.स. तुर्गनेव की 'प्रथम प्रेम', मिखाइल अखफ की 'इनसान का नसीबा', लेव तॉल्स्तोय की विश्वविख्यात 'युद्ध और शांति', 'अपराध और दंड', 'कजाक' व 'पुनरुत्थान' के अतिरिक्त, उनकी बाल कथाओं का संग्रह, अंतोन चेखव की कहानियाँ, 'रूस की इक्कीस कहानियों का संग्रह', आन्ना एसपारजा की 'रूसी साहित्य : इतिहास और समकालीनता' मुख्य हैं। इनके अतिरिक्त, इस काउंटर पर बाँग्ला में मैक्सिम गोर्की की 'छोट गल्प संभार', भेनियम काभेरी की 'दुई नायक', फ्योदोर मिखाइल दोस्तोयेव्स्की की 'लांछित ओ परित्यक्त' और अंग्रेजी में अलेक्सांदर रस्किन की 'ह्वेन माई फादर वाज ए लिट्ल बॉय' उपलब्ध हैं। लोकप्रिय हिंदी गीतकार इरोहाद कामिल की कविताओं के संग्रह का रूसी अनुवाद भी उपलब्ध है।

मंडप में एक कैफे भी बनाया गया है, जहाँ आगंतुक चाय-कॉफी के साथ-साथ रूसी खाने-पीने की वस्तुओं का स्वाद लेते हुए रूसी साहित्य का आनंद ले सकते हैं।

एक रूसी कहावत बेहद प्रसिद्ध है—'एक शताब्दी जियो, एक शताब्दी सीखो! अपने समय का आनंद लो!'

—सुधीर नाथ झा

थीम मंडप

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में न्यास के अध्यक्ष मिलिंद सुधाकर मराठे ने लेखिका विद्या देवधर की पुस्तक 'कायदे निर्मित श्रियांचे योगदान' का अनावरण किया। पुस्तक के बारे में बताते हुए लेखिका विद्या देवधर ने कहा, "वेद काल से ही कानून निर्माण में महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई है।" उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से ही भारत का सर्वांगीण विकास हो सकता है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'संक्रमण में बोडो साहित्य : आठवीं अनुसूची समावेशन के बाद की अवधि' पर चर्चा हुई। इस सत्र में राजेन बासुमात्री ने अपने विचार रखते हुए कहा, "वर्ष 1963 से बोडो भाषा तेजी से विकसित हो रही है और वर्तमान समय में सात विश्वविद्यालयों में बोडो भाषा विभाग गठित हो चुका है।" कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए द्वीपेन बारो ने बोडो भाषा के विकास के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2003 में बोडो भाषा आठवीं अनुसूची में शामिल की गई एवं वर्ष 2004 में असम राज्य ने इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित 'रसोई से राज्यों तक भारतीय खाद्य की यात्रा' में प्रसिद्ध शिक्षाविद्, खाद्य समीक्षक और इतिहासकार पुष्पेश पंत ने लेखक खाद्य इतिहासकार और लेखक सदफ हुसैन के साथ वार्ता में भारतीय व्यंजनों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि यह एक भ्रांति है कि मुगलों का भोजन स्वादिष्ट था। उन्होंने खिचड़ी को अपना पसंदीदा व्यंजन बताया।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित 'सादगी की कला' सत्र में प्रसिद्ध अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने लेखक अक्षत गुप्ता के साथ बातचीत की। इस सत्र में उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी कल्पनाशक्ति बढ़ाती हैं। उन्होंने श्रीलाल शुक्ल द्वारा लिखित

'रागदरबारी' को अपनी पसंदीदा पुस्तक बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में वो कोई व्यंग्यात्मक शैली की पुस्तक और कविताएँ लिखना पसंद करेंगे, क्योंकि कविताओं के द्वारा कम शब्दों में अधिक बातें कही जा सकती हैं। उन्होंने पान सिंह तोमर को अपनी पसंदीदा फिल्म एवं फणीश्वरनाथ रेणु को अपना पसंदीदा साहित्यकार बताया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'रिपब्लिक @75 डिस्कसिंग फोर पिलर ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी' सत्र में लेखक जयकुमार साईं दीपक ने लोकतंत्र पर बोलते हुए कहा कि किसी भी एक व्यवस्था को पूरे विश्व में लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि लोकतंत्र में विविधता आवश्यक है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रकाशित डॉ. वर्तिका नंदा की पुस्तक 'रेडियो इन प्रिज़न' का लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के चेयरमैन मिलिंद सुधाकर मराठे ने लेखिका को बधाई दी। अपनी पुस्तक के बारे में बताते हुए डॉ. वर्तिका नंदा ने कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास जैसे प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा पुस्तक का प्रकाशित होना एक सपने के पूरा होने जैसा है। उन्होंने कहा इस किताब के माध्यम से लोग जेल बंदियों की प्रतिभाओं से परिचित होंगे।

बाल मंडप

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित कथावाचन सत्र में शिवानी कनोडिया, जो अपनी अनोखी कहानी कहने की शैली के लिए प्रसिद्ध हैं, ने बच्चों को विश्व के पहले जूते के आविष्कार की कहानी सुनाई। उनकी आवाज में उतार-चढ़ाव, रोमांचक अंदाज और भावनाओं की गहराई ने बच्चों को ऐसा लुभाया कि वे खुशी से झूम उठे। कुछ बच्चे तो नाचने-गाने भी लगे। हर किसी के मन में बस यही ख्याल आया—'काश, हम भी बच्चे होते!'

इन्कू कुमार द्वारा अंग्रेजी वर्णमाला सुलेख कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व अभिषेक वरदान सिंह ने किया। उन्होंने बच्चों को 'गौतीक' तकनीक में लिखने के महत्वपूर्ण नियम सिखाए। कार्यशाला में बच्चों ने सुंदर और साफ-सुथरे अक्षरों में सुलेख लिखकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस तरह की गतिविधियाँ बच्चों के लेखन कौशल को निखारने में मदद करती हैं।

प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट मिखाइल गुसेव और अनास्तासिया स्त्रोकिना द्वारा प्रस्तुत एनिमेटेड फिल्म 'टेलीफोन टेल्स ऑफ मरिंडा एंड मिरांडा' ने बच्चों को परियों की दुनिया में एक अद्भुत सफर पर ले जाने का काम किया। फिल्म की प्रस्तुति के बाद, मिखाइल गुसेव और अनास्तासिया स्त्रोकिना ने बच्चों के साथ संवाद करते हुए उन्हें कहानियाँ लिखने और पढ़ने की कला से अवगत कराया।

कठपुतलियों के साथ कथावाचन कार्यक्रम में सीमा वाही ने अपने कथावाचन की शुरुआत टीना नाम की एक कठपुतली से की, जिसने रा.पु. न्यास द्वारा प्रकाशित जयंती मनोकरन की पुस्तक 'कितनी प्यारी है ये दुनिया' के एक अंश को प्रस्तुत कर बच्चों का मन मोह लिया। इस आयोजन से बच्चों के भीतर कठपुतली कला के प्रति भी उनका आकर्षण बढ़ाया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने बच्चों के लिए फिल्म स्क्रीनिंग करवाई, जिसमें तीन रोचक फिल्मों—'केटीबी भारत हैं हम', 'टॉम एंड जेरी', 'रॉबिन एंड हिज माउस' और 'जय जगन्नाथ' (एपिसोड—बाँसुरी, पान) का प्रदर्शन हुआ।

वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी द्वारा आयोजित 'बकल अप फॉर भारत दर्शन एडवेंचर विद छोटा भीम एंड लिटिल सिंघम' कार्यक्रम में बच्चों ने छोटा भीम और लिटिल सिंघम को पत्र लिखे, जिससे न केवल उनकी लेखन कला को प्रोत्साहन मिला, बल्कि उनके पसंदीदा किरदारों से जुड़ने का भी अवसर मिला।

'जेरोनिमो' द्वारा आयोजित अपने 'पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए' कार्यक्रम के तहत बच्चों को कार्टून चरित्र 'जेरोनिमो' से मिलने का अवसर मिला। कार्यक्रम में बच्चों ने 'बम बम बोले, मस्ती में डोले' गाने पर डांस भी किया। उनकी हँसी-खुशी और मस्ती ने पूरे बालमंडप को एक जीवंत रंगमंच में बदल दिया।

स्कॉलास्टिक प्रकाशन द्वारा आयोजित कार्टून डिजाइन कार्यशाला में अजित नारायण ने बच्चों को अपनी कल्पना के अनुसार कार्टून बनाना सिखाया। इस कार्यशाला में बच्चों ने न केवल ड्राइंग के नए कौशल सीखे, बल्कि अपनी रचनात्मकता को भी उभारा। उन्होंने अपने अनोखे कार्टून किरदार बनाए और उन्हें रंगों से सजाया।

सी.ई.ओ. स्पीक

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा रविवार, 02 फरवरी, 2025 को सी.ई.ओ. स्पीक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रकाशन उद्योग के सीईओ'स, एमडी'स एवं वरिष्ठ विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस प्रतिष्ठित मंच को नीति आयोग के सीईओ, श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम; राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक व नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के सीईओ श्री युवराज मलिक ने संबोधित किया। इस संवाद मंच ने पुस्तक उद्योग के भविष्य और नई संभावनाओं पर सार्थक विमर्श का अवसर प्रदान किया।

नई दिल्ली राइट्स टेबल

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के एक हिस्से के रूप में नई दिल्ली राइट्स टेबल (एनडीआरटी) का शुभारंभ 03 फरवरी 2025 को किया गया। यह कार्यक्रम 04 फरवरी 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि दिमित्री सिलिन (रूसी लेखक) ने किया। नई दिल्ली राइट्स टेबल एक नए व्यावसायिक परिवेश में प्रकाशकों के बीच B2B मैच मेकिंग सत्र प्रदान करता है। यह आयोजन अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध पुस्तकों के अनुवाद और अन्य अधिकारों के हस्तांतरण के लिए समझौतों को अंतिम रूप देने में सक्षम बनाता है।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, न्यास-निदेशक श्री युवराज मलिक एवं मुख्य संपादक श्री कुमार विक्रम उपस्थित रहे।

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

संयुक्त अरब अमीरात द्वारा 'इंडियन वोकैब्युलरी इन अमीराती सोसाइटी : ए प्रेजेंटेशन' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सत्र की प्रस्तुति डॉ. आइशा अल गैथ द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि भाषा लोगों को जोड़ने और समाज में रिश्ते मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती है। भारत और यूएई के संबंध केवल व्यापार और संस्कृति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भाषा के स्तर पर भी गहरे हैं। दोनों देशों की भाषाओं में कई शब्द एक-दूसरे से लिये गए हैं, जो प्रतिदिन की बातचीत में इस्तेमाल होते हैं। उदाहरण के लिए, अमीराती भाषा में 'आना' (पुरानी भारतीय मुद्रा), 'तोला' (वजन मापने की इकाई), और 'मन' (भार) जैसे शब्द आमतौर पर प्रयोग किए जाते हैं। अरबी, हिंदुस्तानी, उर्दू और अमीराती भाषाएँ एक-दूसरे से कई शब्द लेकर समृद्ध हुई हैं। कुछ आम शब्द, जो भारतीय भाषा संस्कृत से अमीराती भाषा में गए हैं : काजू, संतरा, समोसा, आम, ईंट, कुली, तौलिया, मलमल, साड़ी, बाल्टी, तिजोरी, प्रेस, बिजली, पंखा, चूल्हा, शीशम, कचरा, ठिकाना, कलम, किताब, जन्नत, सलाम, किस्मत, अदालत, मजबूत, मोहब्बत, मुश्किल आदि। इस तरह, भारतीय शब्दों का अमीराती भाषा में प्रयोग यह दिखाता है कि दोनों देशों के संबंध सिर्फ इतिहास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आज भी भाषा के जरिये एक-दूसरे को प्रभावित कर रहे हैं।

आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू., रूस द्वारा 'प्रेजेंटेशन ऑफ दि नोवेल ऑडसन' व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता लेखक अलेक्सई वर्लामॉ रहे। इस सत्र का संचालन लेखक और साहित्यिक आलोचक डेनिस लुक्यानोव द्वारा किया गया। व्याख्यान में लेखक ने अपनी किताब 'ऑडसन' के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि कहानी एक व्यक्ति की है, जो 2010 के बाद के वर्षों में चेक गणराज्य जाता है, ताकि वहाँ साहित्य पर व्याख्यान दे सके। लेकिन विश्वविद्यालय पहुँचने की बजाय वह एक पुराने घर में पहुँच जाता है, जो पहले सूडेटन जर्मन परिवार का था। इस घर के रहस्यों और इसके पुराने निवासियों की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की दुखद कहानी को जानकर वह गहरे विचारों में डूब जाता है। उसकी अपनी जिंदगी की बातें भी इन इतिहास की घटनाओं से जुड़ने लगती हैं। लेखक ने अपनी किताब और अन्य लेखकों की रचनाओं के माध्यम से साहित्य और दर्शन की गहराई को मंच से दर्शकों को समझाया। इसके पश्चात 'फेमस मैजिकल बीस्ट्स ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर' विषय पर इंटरेक्टिव व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के लिए मुख्य वक्ता बच्चों की लेखिका अनास्तासिया स्त्रोकिना थीं। इस व्याख्यान का मुख्य केंद्र साहित्यिक रचनाओं में जानवरों की भूमिका को दर्शाना था। स्त्रोकिना ने 'जंगल बुक', 'द लिटिल प्रिंस', 'हैरी पॉटर', 'मॉबी-डिक' और 'अ स्ट्रीट कैट नेम्ड बॉब' आदि किताबों के बारे में बताया। अंत में लेखिका ने अपनी पुस्तक 'दि व्हेल स्विम्स नॉर्थ' के बारे में गहराई से बात की। इस व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य रचनाओं में व्यक्ति से ऊपर उठकर अन्य किरदारों की महत्व को बताना था।

आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू., रूस द्वारा 'एआई, गेमडेव एंड गेम राइटर : ह्वाट लाइज बिहाइंड द लेटर्स?' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। इसका संचालन रूसी इतिहासकार ऐना ऐस्पारज़ा ने किया। पैनल में लेखक एवेग्नी चोदोलाजकिन, वाट स्टूडियो के प्रमुख इगोर टॉमाफी, भारत गणराज्य के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब के कार्यकारी निदेशक पन्नीरसेल्वम मदनगोपाल एवं कवि, साहित्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समस्या के शोधकर्ता, प्रोफेसर शानदार अहमद उपस्थित थे। चर्चा का मुख्य उद्देश्य साहित्य में एआई के बढ़ते उपयोग और प्रभाव को बताना था।

साहित्यिक गतिविधियाँ

ओम बुक्स इंटरनेशनल द्वारा 'माइथोलॉजी मीट्स फैंटेसी : क्राफ्टिंग एपिक एडवेंचर' पुस्तक के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। लेखक प्रभु राम ने कहा कि उन्हें तिरुपति की सात पहाड़ियों से माइथोलॉजी पर पुस्तक लिखने की प्रेरणा मिली। लेखक अंतर आत्रेय ने कहा कि उनकी पुस्तक 'हरिहरा' भगवान शंकर और श्रीकृष्ण के संवाद पर केंद्रित है। कार्यक्रम में 'कृष्णा सर्कस' पुस्तक की लेखिका मधुरीता आनंद उपस्थित रही। मंच संचालन स्वरूप वर्मा ने किया।

डॉ. निकिता नरेदी की पुस्तक 'एम आई जस्ट ए बेबी वेंडिंग मशीन?' का लोकार्पण हुआ। चर्चा के दौरान डॉ. निकिता ने कहा, "हर औरत माँ बनना चाहती है।" उन्होंने कहा कि बाँझपन एक सामाजिक समस्या है, न कि महिलाओं की, जिसके कारण समाज में महिलाओं को हेय दृष्टि से देखा जाता है। पितृसत्तात्मक समाज में यह सोचा जाता है कि औरतों का काम बच्चे पैदा करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुकुल कुमार (आईआरएस) सम्मिलित हुए। इस चर्चा में लेखक अंकित झांब, अभिषेक राज, कल्याणी शर्मा और पारुल शर्मा उपस्थित रहीं। मंच संचालन अंतरा अग्रवाल ने किया।

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर ऑफ आर्ट्स द्वारा 'म्यूजियम एंड आर्काइव ए पब्लिक स्पेस ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च' पुस्तक पर चर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सदिश शर्मा, हनुमंत चंद, रघुराम और सृष्टि उपस्थित रही। मंच संचालन भूमिका ने किया।

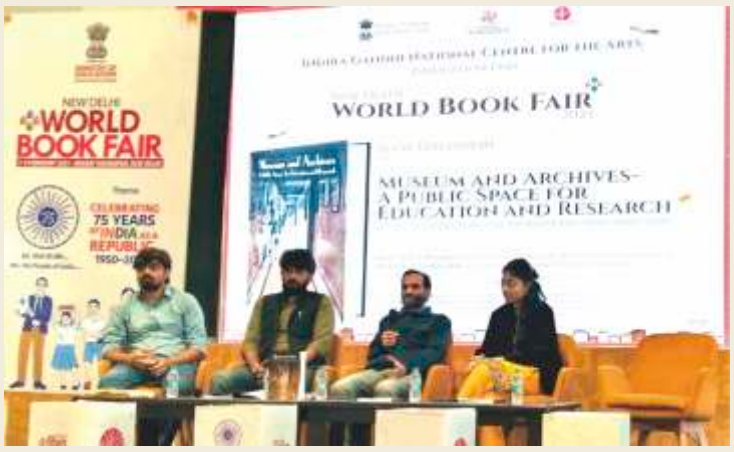

ऑथर्स इंक प्रकाशन और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'क्लाइमेट अंडरडॉग्स : फ्रॉम इंडिया टू द वर्ल्ड–ए ग्लोबल कॉल टू एक्शन' चर्चा आयोजित की गई। जलवायु पर चर्चा करते हुए पायल मोहिंद्रा ने कहा, "प्रकृति की पूजा करना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है।" तमसील हुसैन ने कहा कि हमें प्रकृति के प्रति आम लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस कार्यक्रम में स्मिता वर्मा और परिशमिता बरुआ उपस्थित रहीं। मंच संचालन नगमा ने किया।

एस चांद ग्रुप द्वारा आदित्य रंजन द्वारा लिखित 'एसएससी सीजीएल तीसरा संस्करण' और विक्रमजीत द्वारा लिखित 'रीजनिंग गुरु 2.0' पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रशांत सोलंकी ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अंग्रेजी के महत्व पर चर्चा की। विक्रमजीत ने गुणवत्तापूर्ण और स्तर आधारित शिक्षा के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने कहा कि एक दिवसीय परीक्षाओं पर छात्रों को किस प्रकार से तैयारी करनी चाहिए।

सर्वभाषा ट्रस्ट द्वारा पुस्तक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. अरविंद यादव द्वारा लिखी गायिका हेमलता की जीवनी 'दास्तान-ए-हेमलता' पर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. अरविंद ने हेमलता जी के जीवन से जुड़े कुछ किस्से भी सुनाए।

नेहा प्रकाशन द्वारा डॉ. मनीष शुक्ल की पुस्तक 'मैं स्वयं सेवक' और पूर्णचंद्र बोध की पुस्तक 'उल्टी गंगा बहाना छोड़ो' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता सुश्री साध्वी प्रज्ञा भारती ने लोगों से एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ने और देश को आगे बढ़ाने की अपील की।

प्रभात प्रकाशन द्वारा शिखा अखिलेश सक्सेना की पुस्तक 'कारगिल युद्ध' का लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक की लेखिका शिखा सक्सेना ने बताया कि उन्होंने यह पुस्तक सैनिकों की पत्नियों के नजरिये से लिखी है। उन्होंने युद्ध में घायल सैनिकों के घर वालों की मानसिक स्थिति और उनके हालत के किस्से सुनाए। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक देश के धरोहर होते हैं। एक सैनिक जानता है कि उनके एक कदम से उनकी पत्नी विधवा हो सकती है, उनके बच्चे अनाथ हो सकते हैं, फिर भी देश की खातिर वह यह कदम बढ़ाता है। यह पुस्तक युवाओं के लिए लिखी गई है, ताकि हमारे युवक देशभक्ति के लिए उत्साहित हो सके।

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद द्वारा ई-बुक 'ऋग्वेद में सिंधी दरिया शाह' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा में सिंधी साहित्य और संस्कृति के योगदानों की चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, जय प्रकाश पाण्डेय, प्रो. श्री प्रकाश सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस मौके पर प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने कहा कि

भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने के लिए हमें 1947 से पहले के अखंड भारत को समझना पड़ेगा, जिसमें सिंध भी था। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने सलाह दी कि सिंध से कलिंग तक की यात्रा कर लीजिए, जिंदगी धन्य हो जाएगी। जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि भारतीय ज्ञान की कल्पना भी बिना सिंध के नहीं की जा सकती है। इस कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रो. रविप्रकाश टेकचंदानी ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा फुंसुक लद्दाखी के संग लद्दाख पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि लद्दाख की संस्कृति बुद्ध के नालंदा से आई है, इसलिए सही मायने में भारतीय, लद्दाखी लोग ही हैं। इस चर्चा के दौरान उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि

लद्दाख को अनुभव कीजिए, सिर्फ इसके किस्से न सुनें। उन्होंने ज्ञान के प्रकार को समझाया और उसको अपने जीवन में उतारने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने अपने लिखा गीत—'ओ सिंधु,तेरा निर्मल निर्मल पानी, हम सबकी जीवनदानी' सुनाकर लोगों का मन हर लिया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'मेरी सृजनात्मक यात्रा : लेखकों से मिलिए' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. नैमा जाफरी पाशा और डॉ. रिजवानुल हक ने अपने जीवन के अनुभवों का साझा किया। लेखक के जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे भी लोगों को बताया। डॉ. रिजवानुल हक ने कहा कि उन्होंने फिल्मों और गानों से प्रेरित होकर लिखना शुरू किया। उन्होंने उर्दू के प्रसार के लिए घरों में उर्दू को पढ़ने, लिखने और बोलने की सलाह दी। डॉ. नैमा जाफरी ने कहा कि वो जो भी हैं ये मुकाम उन्हें उर्दू से मिला है।

नागरी लिपि परिषद द्वारा 'नागरी संगम' पत्रिका, ओम प्रकाश की पत्रिका 'एक विचार', डॉ. अजय कुमार ओझा की पुस्तक 'सूअर बड़ा की मैं' तथा सितारा चौधरी की पुस्तक 'नारी वेद' समेत कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. रश्मि चौबे को नागरी सेवी सम्मान से भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. चौबे ने लिपि गीत से शुरू किया। इस चर्चा में बताया गया कि कैसे नागरी लिपि भारत को एक सूत्र में बाँधने में सक्षम है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी ने कहा कि जैसे राष्ट्रीय गीत और झंडे को सम्मान मिला, वैसा सम्मान राष्ट्रीय भाषा और लिपि को नहीं मिला।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

निखिल स्वतंत्र ने 'ओ सनम मोहब्बत की कसम', 'केसरिया तेरा इश्क है पिया' आदि फिल्मी गीतों से समा बाँध दिया। दर्शक उनके गीतों पर झूम उठे।

मंगलवार, दिनांक 04 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
11:00-11:50	'फुटबॉल ऐन एस्पानोल : ए वर्कशॉप ऑन बिगिनर-लेवेल स्पैनिश', डेविड सेरानो पुएंते	सर्वांतेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
12:00-12:50	'प्रिजर्विंग हेरिटेज एंड ट्रेडिशन : ए प्रेजेंटेशन', फातिया अल नेमर	यूएई
01:00-01:50	'द कल्चरल इंडस्ट्री : ए डिस्कशन', अबीर अल-अली अहमद अल-रिदीनी (*संचालन*)	लिटरेचर, पब्लिशिंग एंड ट्रांस्लेशन कमिशन, सऊदी अरब
02:00-02:50	'ट्रैवेल विद अनास्तासिया स्त्रोकिना ऑन एटलस ऑफ मिस्टेरियस प्लेसेज ऑफ रशिया' पर व्याख्यान	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
04:00:-04:50	'शेयरिंग स्टोरीज : पॉलिश-इंडियन लिटरेरी एंड कल्चरल कनेक्शंस लॉन्च ऑफ महाराजा'ज़ चिल्ड्रेन : स्टोरी ऑफ पॉलिश किड्स इन जामनगर एंड पॉलिश लिटरेचर ऑन इंडिया', चर्चा-विमर्श *वक्ता* : मोनिका, काउलेस्जको-स्जुमोव्स्का, अपेक्षा निरंजन, अशोक वाजपेयी, मारिया स्काकुज-पुरी, तात्याना स्र्जुलेज	रा.पु. न्यास एवं पोलैंड इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली
05:00-05:50	'लिटरेचर एंड म्यूजियम : डाइलॉग ऑर कॉन्फ्लिक्ट?' ए लिटरेचर बाई डिमिट्री बाक, ए राइटर एंड डायरेक्टर ऑफ दी स्टेट म्यूजियम ऑफ दी हिस्ट्री ऑफ रशियन लिटरेचर, रशिया	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	भारतीय संविधान पर भारतीय सभ्यतागत मूल्यों का प्रतिबिंब *वक्ता* : प्रो. (डॉ.) संपदानंद मिश्रा, शशिप्रभा तिवारी, डॉ. संगीता शर्मा (*संचालक*)	रा.पु. न्यास
01:00-01:45	भारत के संविधान पर सांस्कृतिक प्रतीक बासवन्ना का प्रभाव *वक्ता* : डी.आर.सी. सोमशेखर, डॉ. धरणीदेवी मालागत्ती, शंकर महादेव बिदारी; *समन्वयक* : हेमाश्री एस.	रा.पु. न्यास
03:00-03:45	पुस्तक लोकार्पण और संवाद सत्र; *वक्ता* : साइमन मरे, डॉ. जेफ डेविस म्यूजियम	रा.पु. न्यास
04:00-04:45	भारतीय संविधान के निर्माण में महिलाओं का योगदान : प्रथम स्वास्थ्य मंत्री राजकुमारी अमृत कौर पर चर्चा *वक्ता* : श्री दलजीत सिंह साही, डॉ. गुरभेज सिंह गुराया, ऋचिका त्यागी	रा.पु. न्यास :
05:00-05:45	दर्द की गहराई, अहसास की ऊँचाइयाँ; *वक्ता* : आचार्य प्रशांत, चित्रा त्रिपाठी	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
06:00-06:45	मल्टिलिंग्वल फेब्रिक ऑफ इंडियन कॉन्सिट्यूशन, *वक्ता* : डॉ. चामु कृष्ण शास्त्री, डॉ. रवि टेकचंदानी, डॉ. गिरीशनाथ झा, डॉ. शम्स इकबाल	रा.पु.न्यास
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:30-11:15	कथावाचन सत्र	अनीता भटनाकर जैन
11:30-12:15	क्विज प्रतियोगिता	स्कॉलास्टिक
12:15-12:25	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	डॉगमैन
12:25-12:50	टीटू'ज क्रिकेट कलरिंग कॉम्पिटिशन	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
12:50-01:15	पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम	एकलव्य फाउंडेशन, शिवनारायण गौड़
01:20-02:00	मीट द मैथ मेंटलिस्ट	राहुल सिंह

मंगलवार, दिनांक 04 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
02:15-02:45	कथावाचन	एकलव्य फाउंडेशन
03:00-03:45	चिल्ड्रन ऑथर'स मीट	स्कॉलास्टिक
04:15-06:15	बाल फिल्मों का प्रदर्शन	एनसीसीएल, रा.पु. न्यास
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
12:00-12:45	लेखक ऋषिराज की कॉमिक पुस्तक पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
01.00-01.45	पद्मश्री रामदरश मिश्र की पुस्तकों का लोकार्पण एवं चर्चा	रा.पु. न्यास, भारत
03.00-03.45	पुस्तक 'रिफ्यूजियों की लड़की' पर चर्चा; *वक्ता* : डॉ. वंदना गर्ग, सुश्री रूपम शर्मा, मनमोहन शर्मा, विराट गर्ग व प्रो. ओ.पी. शर्मा (ग्रुप कैप्टन)	अनुराधा प्रकाशन
04.00-05.45	मुशायरा; इकबाल अजहर, नुसरत, मेंहदी, पॉपुलर मेरठी, चंद्रभान खयाल, शहीन खाफ निज़ाम, मोइन शादाब	राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद एवं रा.पु. न्यास, भारत
06.00-06.45	'ओ.पी. सिंह की आत्मकथा' पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
07.00-07.45	फ्लेयर्स एंड ग्लेयर्स	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	इवॉल्यूशन ऑफ लिटरेरी जेनर्स पर चर्चा; *वक्ता* : अजय रावत, अंशुल गुप्ता, प्रियंका मोहंती, डॉ. कोमल मलिक, मिनी लाल, सर्वेलिना मोहंती, नग़मा	ऑथर'स इंक पब्लिकेशंस FoF
12:00-12:45	थ्रिल एंड माइथॉलॉजी : डू दे गो हैंड इन हैंड? पर चर्चा *वक्ता* : कोरल दासगुप्ता, शालिनी मोदी, प्रियंका एस. कैंथुरिया, केविन मिस्सल; केना श्री (*संचालन*)	माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस FoF
01:00-01:45	बुक वॉयजेज : डिस्कशिंग जर्नीज फ्रॉम पेज टु स्क्रीन पर चर्चा वक्ता : पुनीत सिक्का, गौतम चिंतामणि, आशुतोष जायसवाल, मुर्तजा अली खान (*संचालन*)	एपीजे कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल FoF
02:00-02:45	रंजन महापात्र एवं कुशल कुलकर्णी की पुस्तक 'द अनस्टॉपेबल : चैलेंजेज ऑफ ए ब्लाइंड पर्सन इन लाइफ' का लोकार्पण	क्लेवर फॉक्स पब्लिशिंग प्रा.लि.
03:00-03:45	पोएट्री : 'ह्वाइ इट मैटर्स इन टुडे'ज वर्ल्ड' पर चर्चा *वक्ता* : अनीश कांजीलाल, प्रेरणा सिन्हा, तन्वी अग्रवाल, गीतिका सैनी, कोमल गुप्ता (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर FoF
04:00-04:45	डॉ. रितिका धनखड़ की पुस्तक सेल्स टू इको सिस्टम : द साइंस ऑफ लाइफ रिवील्ड विजार्ड ऑफ बायोलॉजी का लोकार्पण	बुकलवर पब्लिशिंग हाउस (OPC) प्रा.लि.
05:00-05:45	राजीव अग्रवाल की पुस्तक 'टेंपल टुअर–4 वॉल्यूम्स (टेंपल्स फ्रॉम नॉर्थ, साउथ, वेस्ट एंड ईस्ट) का लोकार्पण एवं चर्चा	अग्रवाल पब्लिकेशंस
06:00-06:45	सी.ए. मनीष गुप्ता की पुस्तक 'हैसल-फ्री बिजनेस सेट अप इन इंडिया' का लोकार्पण एवं चर्चा	पेनडाउन प्रेस एलएलपी
07:00-07:45	वर्ल्ड कैंसर डे 'यूनाइटेड बाई यूनीक' : रोल ऑफ पर्सनलाइज्ड पेशेंट सेंटर्ड केयर इन फाइट एगेंस्ट कैंसर पर चर्चा *वक्ता* : राज रैना, यूनिट हेड, अपोलो अस्पताल, नोएडा, अनीता पीटर, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, कैंसर पेशेंट्स ऐड एसोसिएशन, मुंबई, डॉ. अमित वांचू, चेयरमैन, एचएनवांचू ट्रस्ट, जम्मू एंड कश्मीर	रा.पु. न्यास
	सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)	
05:00-06:00	प्रग्नया वाखलु लाइव	रा.पु. न्यास
06:30 बजे से	वन मैन ऑर्केस्ट्रा–दोस्त अरोड़ा	रा.पु. न्यास

मेला वार्ता
मंगलवार, 04 फरवरी, 2025

INDIA@75 | रूस से आईं किताबें

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	: 01 - 09 फरवरी, 2025
समय	: प्रातः 11 से सायं 8 बजे तक
स्थान	: हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2

लेखक मंच

हॉल संख्या 2 और 3

हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक

हॉल संख्या 3 (मेजानिन)

नई दिल्ली राइट्स टेबल

हॉल संख्या 4

विदेशी मंडप
ऑथर्स लाउंज | इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर
विदेशी भागीदार (प्रदर्शनी) | डिजिटल अनुभव क्षेत्र

हॉल संख्या 5

थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75) | सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)
ऑथर्स कॉर्नर

हॉल संख्या 6

बाल मंडप | बाल प्रकाशक
टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स | डिजिटल अनुभव क्षेत्र
दर्शन और अध्यात्म, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

एंफीथिएटर 1

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास) : निःशुल्क शटल सेवा उपलब्ध

गेट नं 4 (भैरो मार्ग), गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है।
इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– 20 रुपये, बच्चे– 10 रुपये। छात्रों (स्कूल यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. **रेड लाइन** : रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम।
2. **ब्ल्यू लाइन** : कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका।
3. **येलो लाइन** : विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक।
4. **वॉयलेट लाइन** : आईटीओ।
5. **ग्रीन लाइन** : मुंडका।
6. **पिंक लाइन** : आईएनए।
7. **मैजेंटा लाइन** : हौजखास।

भाषावार प्रकाशक

• 1. हिंदी : 153 • 2. उर्दू : 20 • 3. संस्कृत : 4 • 4. मलयालम : 2 • 5. पंजाबी : 6 • 6. तमिल : 1
• 7. बांग्ला : 3 • 8. अंग्रेजी : 337 • 9. सिंधी : 2 • 10. मैथिली : 2 • 11. ओड़िया : 4

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/ | Linkedin https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
YouTube https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/ | https://www.kooapp.com/profile/nbtindia | अधिक जानकारी के लिए www.nbtindia.gov.in पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com** पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री मेला वार्ता के हॉल संख्या 6 के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा

टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

nbt.india

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।